

ल

हिंदी (देवनागरी) वर्णमाला का अंतःस्थ वर्ग का तीसरा अक्षर, यह वर्ण स्वर और व्यंजन के मध्य में स्थित होने से अंतःस्थ वर्ण कहलाता है।

लंक स्त्री. (तत्.) 1. शरीर में रीढ़ के नीचे का प्रदेश, कटि या कमर 2. भारत के दक्षिण में स्थित लंकाद्वीप।

लंकनाथ पुं. (तत्.) 1. लंका का स्वामी या राजा, रावण 2. राम द्वारा नियुक्त लंका का राजा-विभीषण (रावण का भाई)।

लंक लुनाई स्त्री. (तत्.+तद्.) 1. कमर का लावण्य या सौंदर्य 2. कमर का पतलापन (कमर का लचीलापन या पतलापन उसके सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है)।

लंका स्त्री. (तत्.) 1. भारत के दक्षिण में स्थित लंकाद्वीप, सिंहल द्वीप। श्रीलंका (त्रिकुट पर्वत पर स्थित) 2. रावण का साम्राज्य और राजधानी। पहले यहाँ यक्षराज कुबेर का शासन था, बाद में रावण ने कुबेर को भगाकर अपना राज्य स्थापित किया 3. वह स्त्री जो कुलटा या व्यभिचारिणी हो।

लंकाकांड पुं. (तत्.) गोस्वामी तुलसीदास रचित, महाकाव्य 'रामचरित मानस' का छठा कांड, जिसमें राम-रावण युद्ध का वर्णन किया गया है, बाल्मीकि रचित 'रामायण' में यह वर्णन युद्धकांड में आया है **ला.अर्थ.** भयंकर विवाद या झगड़ा।

लंकादाही वि. (तत्.) लंका का दहन करने वाला, रामदूत हनुमान।

लंकापति पुं. (तत्.) 1. लंका का स्वामी या राजा, लंकेश, रावण 2. राम द्वारा बनाया गया लंका का राजा विभीषण।

लंकेश पुं. (तत्.) दे. लंकापति।

लंकोदय पुं. (तत्.) खगो. लंका और उज्जैन से जाने वाली देशांतर रेखा पर होने वाले सूर्योदय का समय।

लंग स्त्री. (तद्.) धोती पहनने पर पीछे लगाई जाने वाली काँछ (उत्तर भारत के लोग प्रायः धोती पहनने पर पीछे लंग/लांग लगाते हैं और दक्षिण भारत के लोग नहीं लगाते) **पुं.** (फा.) 1. लंगड़ा, पंगु 2. लिंग, शिश्न।

लंगत स्त्री. (तत्.) 1. लगना या लगन होने की क्रिया या भाव 2. आसक्त होना 3. स्त्री प्रसंग करने की क्रिया।

लंगर वि. (देशज.) 1. ढीठ व्यक्ति, शरारती 2. व्यभिचार करने वाला **पुं.** (फा.) 1. निःशुल्क भोजन की व्यवस्था। (सिखों के गुरुद्वारों में जन-सामान्य के लिए बिना भेदभाव के पंक्ति में बैठकर प्रसाद के रूप में कराया जाने वाला भोजन या भोजन व्यवस्था) यह अन्नदान का प्रतीक माना जाता है 2. निर्धनों और अपाहिजों को प्रतिदिन निश्चित समय खिलाया जाने वाला निःशुल्क भोजन 3. नदी या समुद्र में जहाज को रोकने या स्थिर करने के लिए रस्सी/जंजीर से बाँधकर पानी में गिराया जाने वाला लोहे का काँटा 4. जहाज को समुद्र तट पर बाँधने की जंजीर या रस्सा **लाक्ष.** संकटकालीन आश्रय स्थान या व्यक्ति **मुहा.** लंगर फेंकना- जहाज या नाव रोकने के लिए समुद्र में लंगर डालना।

लंगरखाना पुं. (फा.) 1. लंगर डालने की जगह 2. लंगर खिलाये जाने का स्थान।

लंगरगाह पुं. (फा.) समुद्रतट पर लंगर डालकर जहाज रोकने की जगह, पोतपत्तन, बंदरगाह।

लंगरपंजा पुं. (फा.+तद्.) 1. लंगर की नोक या काँटा, भाले का नोकीला भाग 2. संयोग वश उपयुक्त पड़ने वाला प्रहार।

लंगी वि. (फा.) लंगड़ा, पंगु, पैर में विकार वाला, लंगड़ी, कुश्ती का एक दांव।

लंगूर पुं. (तद्.) एक प्रकार का बंदर जिसकी पूँछ लंबी, होती है तथा हथेली, तलवा और मुँह काले